DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, DECEMBER 30, 2022
N. ----------DATED----------

Park-cum-nursery to promote greenery, eco-tourism

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: LG VK Saxena on Thursday laid the foundation stone of Vaishnavi — a DDA park-cum-nursery at Ashok Vihar in north Delhi to promote greenery and develop another place for eco-tourism.

In May, when Saxena visited the site, it was lying in a shambles and covered with C&D waste. "We started the cleaning work and later the layout plan was designed under the guidance of the LG," said a DDA official.

"The project consolidates seven fragmented green pockets at Ashok Vihar Phase-II and develops them into one large park of approximately 33 acres. It has been named Vaishnavi after the sacred plant Tulsi," DDA stated.

During the foundation laying ceremony, MP and former Union minister Dr Harsh Vardhan was also present.

"The park will act like an integrated centre where city dwellers and tourists will be provided hands-on opportunity to interact with nature through connected activities of vermi-composting, apiculture and pottery with a special emphasis on hydroponic farming," said the official.

AN OFFICIAL SAYS

The park will act like an integrated centre where city dwellers and tourists will be provided hands-on opportunity to interact with nature through connected activities

The central area would be designed as a public park with mythological tree species planted in the main space, followed by installation of interactive sculptures along the multipurpose ground. "There will be a standing restaurant that will operate after park timings. A separate approach will connect the restaurant to the park," the official said.

"The interactive zones will offer exposure to a variety of plant materials. These zones will be connected through a central water channel. Pottery activity will also be offered there. There will also be a spot dedicated for commercial exchange of plant and plant-oriented merchandise," said the official.

The park would generate its own manure through vermi-composting and the requirement of water for irrigation would be met through an on-site STP on the local drain. "Since it is a time-bound project with a six-month deadline, work for constructing the boundary wall and STP has been taken up on priority," said the official.

The nursery would have different varieties of indigenous, medicinal, exotic, ecology and topography compliant flora available for use by government agencies as well as the public. It would also house landscaped greens, cafeteria, walkways, public utilities and flower display.

हिन्दुस्तान

थाना प्रभारी के लाइनहाजिर होने के बाद रिपोर्ट दर्ज

फॉलोअप

नई दिल्ली, कार्यालय संवाददाता। शाहदरा के फर्श बाजार थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने के बाद पुलिस ने अतिक्रमण हटाने का विरोध करने वाले मनी चौधरी और अरुण के खिलाफ बुधवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि फर्श बाजार के विश्वास नगर में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की जमीन पर दोनों आरोपियों ने अतिक्रमण किया हुआ था। 20 दिसंबर को अधिकारी कार्रवाई के लिए पहुंचे तो उन्होंने विरोध करते हुए बदसलूकी की। अधिकारियों ने फर्श बाजार थाने में शिकायत दी।

लापरवाही बरतने पर हुई कार्रवाई : वहीं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी थाना प्रभारी को मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई करने का आदेश दिया, लेकिन थाना प्रभारी ने कार्रवाई नहीं की। लापरवाही बरतने पर उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया। इसके बाद बुधवार को फर्श बाजार थाने की पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

वैष्णवी-न्यू डीडीए पार्क और नर्सरी की नींव

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी, डीडीए पार्क और नर्सरी की आधारशिला रखी। यह डीडीए के पहले स्थलों में से एक है, जिसका उपराज्यपाल ने मई 2022 में शपथ लेने के बाद दौरा किया था। एलजी ने दौरे के बाद इस बंजर भूमि को सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक सार्वजनिक पार्क और नर्सरी के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया था। उसके बाद एलजी के मार्गदर्शन में इसका डिजाइन कर दिया गया है।

दैनिक जागरण

थाना प्रभारी पर कार्रवाई के बाद प्राथमिकी दर्ज

पूर्वी दिल्ली : फर्श बाजार थाना प्रभारी के लाइन हाजिर होने के बाद पुलिस ने डीडीए की जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में प्राथमिकी कर ली है। इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद भी प्राथमिकी नहीं करने के कारण थाना प्रभारी विक्रम सिंह को बुधवार को लाइन हाजिर कर दिया गया था। इसके कुछ घंटे के बाद ही गोकलपुरी निवासी मनी चौधरी और अरुण के खिलाफ प्राथमिकी कर ली गई। (जासं)

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 30 दिसंबर 2022

अशोक विहार: DDA बनाएगा वैष्णवी पार्क और नर्सरी

विस, नई दिल्ली: अशोक विहार में डीडीए वैष्णवी पार्क और नर्सरी बनाएगा। गुरुवार को एलजी वी के सक्सेना ने इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। लोगों को इको फ्रेंडली पब्लिक स्पेस से जोड़ने के लिए यह प्रयास डीडीए कर रहा है।

एलजी ने किया शिलान्यास, 33 एकड़ बड़े पार्क को डिवेलप किया जा रहा है

एलजी की निगरानी में इस प्रोजेक्ट का काम शुरू हुआ है। अशोक विहार फेज-2 की सात ग्रीन पॉकेट्स को मिलकर 33 एकड़ बड़े पार्क को डिवेलप किया जा रहा है। यहां तुलसी के पौधे को वैष्णवी नाम दिया गया है। वैष्णवी पार्वती का भी एक नाम है। इस मौके पर एलजी के साथ स्थानीय एमपी डॉ. हर्ष वर्धन और डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इस पार्क में डीडीए पेड़ों की नर्सरी, वर्मिकंपोस्ट, एपीकल्चर और पॉटरी जैसी गतिविधियां भी करेगा। इसलिए यह पार्क पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगा। पार्क के सेंट्रल एरिया में पब्लिक पार्क रहेगा। यहां लोग धार्मिक पेड़ों के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे। साथ ही, यहां इंटरैक्टिव स्कल्पचर्स और मल्टीपर्पस ग्राउंड भी होगा। इसी जगह पर एक स्टैंडिंग रेस्टोरेंट भी होगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- दैनिक भास्कर नई दिल्ली, शुक्रवार 30 दिसंबर, 2022 | 06 -------

डूसिब • भाजपा नेता ने एलजी-डूसिब के सीईओ को पत्र लिख जमीन मुक्त करवाने की मांग की

धार्मिक स्थल की आड़ में सरकारी जमीन पर कब्जा, कर रहे व्यवसायिक इस्तेमाल

जमीन पर अतिक्रमण कर 8 दुकानें बना कर व्यवसायिक दुरुपयोग किया जा रहा

शेखर घोष | नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का शहरी आश्रय बोर्ड (डूसिब) भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। डूसिब के अधिकारियों के भ्रष्टाचार और लापरवाही के मामले लगातार सामने आ रहें है। ताजा मामला उत्तर पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी के सी ब्लॉक मेन रोड का है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला भाजपा के उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना, डूसिब के सीईओ को पत्र लिखकर अबिलंब डूसिब के सरकारी जमीन को धार्मिक स्थल से खाली करवाने की मांग की है। त्रिवेदी ने भास्कर को बताया कि डूसिब के अधिकारियों सांठ-गांठ के कारण कई करोड़ों की सरकारी जमीन पर 6 माह पहले कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल के आड़ में न केवल अतिक्रमण कर ली है। बल्कि वहां पर आठ दुकानें बना कर धड़ल्ले से व्यवसायिक दुरुपयोग भी किया जा रहा है।

पुनर्वास कॉलोनी में जन सुविधाएं उपलब्ध के लिए छोड़ी गई थी जमीन

बता दें कि पुनर्वास कॉलोनी में डीडीए के द्वारा जन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ऐसी जमीन छोड़ी गई थी। डूसिब केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार के अधीन आ गई। परंतु डूसिब के अधिकारियों ने वर्षों बाद भी उन जमीनों पर नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए न जन सुविधा केंद्र बना सकी न ही करोड़ों की जमीनों को बचाने के लिए इंजीनियरों ने कोई ठोस कार्ययोजना तैयार की। सुनियोजित तरीके से प्रशासनिक मिलीभगत के परिणाम स्वरूप कई जगहों पर धार्मिक स्थलों की आड़ में लोगों ने अतिक्रमण कर इनका व्यवसायिक रूप में दुरुपयोग शुरू कर दिया है और डूसिब अपने अधिकारियों के कारण करोड़ों की जमीनों से सरकार हाथ धो बैठी है।

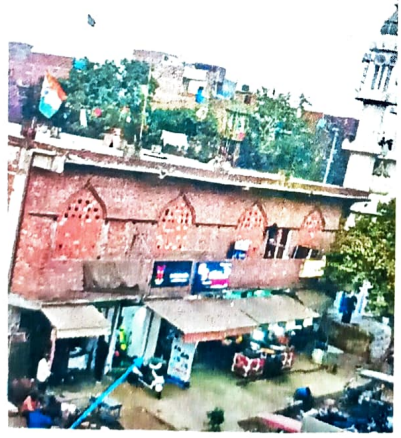

डीडीए ने नंद नगरी के पुनर्वास का डूसिब को दिया था काम

उत्तर पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी एक पुनर्वास कॉलोनी है। जिसकी देखरेख का जिम्मा दिल्ली विकास प्राधिकरण ने डूसिब को दिया था और जन सुविधाओं को विकसित कर जनता के उपयोग लायक बनाने के लिए डीडीए ने जमीनें भी दी थी। बीते समय के साथ भू माफिया की नजर इन जमीनों पर पड़ी और उन्होंने विभाग अधिकारियों के साथ मिलकर सरकारी जमीनों को धार्मिक आड़ में कब्जा कर व्यवसायिक योजनाएं शुरू कर दी है। फिलहाल आज जब कई विकास योजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का अभाव है और सरकार की कई योजनाएं अधर में हैं या कई जन सुविधाओं के लिए क्षेत्र की हजारों की आबादी मोहताज है। संबंधित विभाग अधिकारियों की मिलीभगत से यह जमीन है सरकारी उपयोग और सरकार की कार्य योजना से दूर है। वहीं सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले हर महीने करोड़ों रुपए की कमाई का साधन बना लिया है।

साध गए चुप्पी नहीं दिया जबाव | यहां के अधीक्षण अभियंता डूसीब मुकेश अग्रवाल ने भास्कर से बताया कि आठ माह से इस क्षेत्र में मेरी तैनाती हुई है। मैं अभी तक 12सौ गज की जमीन डी ब्लॉक , एच ब्लाक नंद नगरी चुनाव के दौरान ही मंदिर बनने से रूकवाया, पार्क में नंदगरी में एम ब्लॉक के पार्क में टीन शेड डाल रहे थे उसे हटवाया। पर मुकेश अग्रवाल से जब सी ब्लॉक नंदनगरी में मेन रोड पर उनके कार्यकाल में हुए सरकारी भूमि के अतिक्रमण को अपने बचे एक माह के कार्यकाल में आंनद त्रिवेदी के शिकायत पर एक माह में धार्मिक स्थल से अतिक्रमण मुक्त करवाने के बारे में पूछा तो इस संबंध में चुप्पी साध गए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NAME OF NEWSPA **NEW DELHI | FRIDAY, 30 DECEMBER, 2022** TED----------

L-G VK Saxena lays foundation stone of park that will consolidate seven fragmented green pockets

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi Lt Governor V K Saxena on Thursday laid the foundation stone of a park being built as part of a project that consolidates seven fragmented green pockets into one horticultural space, officials said.

Once completed, the project located in Ashok Vihar Phase II will turn the area into one large park, named 'Vaishnavi', spanning nearly 33 acres.

The landscape scheme "captures the space symbolism from Samkhya Philosophy," the DDA said in a statement.

To further promote greenery and eco-friendly open public spaces in the national capital, Lt Governor V K Saxena, today laid the foundation stone of 'Vaishnavi', a DDA Park and nursery in North Delhi.

It is one of the first sites of DDA greens, that the LG had visited after taking oath in May 2022, and had instructed that the hitherto fallow land strewn with garbage and construction and demolition waste, to be developed into an aesthetic public park and nursery, the urban body said. The project consolidates seven fragmented green pockets, it said.

It has been christened 'Vaishnavi' — a name given to the plant 'tulsi', a sacred plant, and also another name of Goddess Parvati, the DDA said.

Lok Sabha member Harsh Vardhan and various senior officials of the DDA were present on the occasion. The project proposes to develop "an environmental asset in form of a public park", it added.

"The park will act like an integrated centre where city dwellers and tourists will be provided with hands-on opportunity to interact with nature through connected activities of plant nursery, vermi-composting, apiculture and pottery, being exhibited at the park with a special emphasis on know-how of hydroponic farming," the statement said.

The central area is designed as a public park with subtle introduction to mythological tree species in the main spaces and attraction of interactive sculptures and multipurpose ground.

There will be a freestanding restaurant within this space that will be able to operate, after park timings, it said. An independent approach link will connect the restaurant area to the park. The interactive zones in the area adjacent to the park will offer an exposure to variety of plant material, the statement said.

"These are to be connected through a central water channel, which acts like a common spine with sculptures. Pottery activity is also offered here. A location has been dedicated for an organised commercial exchange of plant and plant-oriented merchandise in natural setting.

"The inner locations are reserved for more activities meant for imparting education on plants, including the know-how of hydroponics and apiculture, to interested people," it said.

पंजाब केसरी
DELHI

एलजी ने अशोक विहार में रखी पार्क और नर्सरी की नींव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी में हरियाली और इको-फ्रैंडली खुले सार्वजनिक स्थानों को और बढ़ावा देने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी, डीडीए पार्क और नर्सरी की आधारशिला रखी।

यह डीडीए ग्रीन्स के पहले स्थलों में से एक है जिसका एलजी ने मई 2022 में शपथ लेने के बाद दौरा किया था और कचरे और सी एंड डी वेस्ट से भरी अब तक की बंजर भूमि को सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक सार्वजनिक पार्क और नर्सरी के रूप में विकसित करने का निदेश दिया था। यह परियोजना लगभग 33 एकड़ के एक बड़े पार्क को विकसित करने के लिए अशोक विहार फेज II में सात खंडित हरित क्षेत्रों को समेकित करती है, जिसे वैष्णवी नाम दिया गया है। यह नाम तुलसी के पौधे को दिया गया है जो सभी पौधों में सबसे पवित्र है, जिसका दूसरा नाम देवी पार्वती भी है। परियोजना के माध्यम से एक सार्वजनिक पार्क के रूप में एक पर्यावरणीय संपत्ति विकसित करने का प्रस्ताव है। यह पार्क एक एकीकृत केन्द्र की तरह काम करेगा, जहां शहरवासियों और पर्यटकों को हाइड्रोपोनिक खेती की जानकारी पर विशेष जोर देकर वहां प्रदर्शित की जाने वाली प्लांट नर्सरी, वर्मी-कम्पोस्टिंग, मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तनों की जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से प्रकृति के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान किया जाएगा। सेंट्रल एरिया को एक सार्वजनिक पार्क के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें मुख्य स्थानों में पौराणिक वृक्ष प्रजातियों का सूक्ष्म परिचय दिया गया है और इंटरैक्टिव मूर्तियां और बहुउद्देशीय मैदान इसका मुख्य आकर्षण हैं।

अतिक्रमण हटाने का विरोध करने पर दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): शाहदरा डिस्ट्रिक्ट के फर्श बाजार इलाके में डीडीए की जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई न करने पर एसएचओ को लाइन हाजिर करने के बाद पुलिस ने अतिक्रमण हटाने का विरोध करने वाले दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों के नाम मनी चौधरी और अरुण के रूप में हुई है। सूत्रों का कहना है कि एसएचओ ने इसी मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, फर्श बाजार के विश्वास नगर में डीडीए की जमीन पर मनी चौधरी व अरुण ने टीनशेड डालकर अतिक्रमण किया हुआ था। गत 20 दिसंबर को अधिकारी अतिक्रमण हटाने मौके पर पहुंचे थे। अतिक्रमण हटाने पर दोनों आरोपियों अधिकारियों के साथ बदसलूकी की। इसके बाद बाद अधिकारियों की तरफ से फर्श बाजार थाने में शिकायत दी गई। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले में एसएचओ को केस दर्ज कर कार्रवाई करने का आदेश दिया। लेकिन एसएचओ ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की। मामले में लापरवाही बरतने पर उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। शुक्रवार • 30 दिसम्बर • 2022 राष्ट्रीय सहारा

---------DATED----------

अशोक विहार में बनेगा 'वैष्णवी' न्यू पार्क एवं नर्सरी

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) तुलसी 'वैष्णवी' के नाम पर एक न्यू पार्क एवं नर्सरी बनाएगा। उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को इसकी नींव रखी। इस पार्क का डिजाइन उप-राज्यपाल के निर्देशन में किया गया है। उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार स्थित करीब 33 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस जमीन के टुकड़े को चरणबद्ध तरीके से पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। खासबात यह है कि पार्क में कंपोस्ट खाद बनाने, मधुमक्खी पालन करने समेत अन्य की जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर स्थानीय भाजपा सांसद डॉ. हर्षवर्धन एवं डीडीए के आला अधिकारी भी मौजूद थे।

- कंपोस्ट खाद, मधुमक्खी पालन एवं मिट्टी के बर्तन बनाना होगा आकर्षण का केंद्र : उप-राज्यपाल
- 33 एकड़ के क्षेत्रफल में विकसित पार्क में होगा स्टैंडिंग रेस्तरॉं

पार्क की नींव रखते हुए उप-राज्यपाल ने उसकी विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परियोजना को एक बड़े पार्क के साथ ही अलग- अलग सात हरित क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। पार्क में फ्री स्टैंडिंग रेस्टोरेंट की सुविधा होगी। राजधानी के खुले स्थानों को ईको फ्रैंडली के रूप में विकसित करने की योजना का यह हिस्सा है। इस पार्क को वैष्णवी नाम दिया गया गया है, जो तुलसी का एक उपनाम है। समाज में यह पौधा काफी पवित्र माना जाता है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले तक यह हिस्सा एक बंजर भूमि के रूप में था। जगह-जगह पड़े कचरे को साफ कराकर पार्क के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। लैंड स्केपिंग का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह पार्क एकीकृत के रूप में काम करेगा। यहां शहर के लोगों और पर्यटकों को हाइड्रोपोनिक खेती के बारे में जानकारी दी जाएगी और वहां प्लांट नर्सरी, वर्मी कंपोस्टिंग, मधुमक्खी पालन और मिट्टी के वर्तनों के जुड़ी गतिविधियों के जरिए प्रकृति से जुड़ने का मौका मिलेगा। इसमें पौराणिक वृक्ष प्रजातियों का परिचय भी कराया जाएगा। इस जगह एक स्टैंडिंग रेस्तरां होगा, जो पार्क के समय के बाद संचालित होगा। पार्क की सिंचाई को ध्यान में रखते हुए इसे सेंट्रल वाटर चैनल से जोड़ा जाएगा, जो कॉमन स्पाइन की तरह काम करेगा। नाले पर ऑन साइट एक एसटीपी लगाया जाएगा। पार्क को जल्द विकसित करने के उद्देश्य से चारदीवारी एवं एसटीपी का काम प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाएगा।

the pioneer
NEW DELHI | FRIDAY | DECEMBER 30, 2022

Vaishnavi park foundation laid by LG

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena on Thursday laid the foundation stone of a park being built as part of a project that consolidates seven fragmented green pockets into one horticultural space.

Once completed, the project located in Ashok Vihar Phase II will turn the area into one large park, named 'Vaishnavi', spanning nearly 33 acres.

According to a senior official at Raj Niwas, the project consolidates seven fragmented green pockets at Ashok Vihar Phase II to develop one large park of approximately 33 acres that has been named "Vaishnavi" — a name given to the plant Tulsi, the most sacred of all plants, also another name of "Goddess Parvati" and also "she who belongs to Lord Vishnu". The Landscape scheme captures the space symbolism from Samkhya Philosophy.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- अमर उजाला ----▸ 30 दिसम्बर, 2022 ▸ शुक्रवार

वैष्णवी पार्क में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से लहलहाएंगे पौधे

उपराज्यपाल ने न्यू डीडीए पार्क और नर्सरी की नींव रखीं, पर्यटकों के लिए रेस्तरां की सुविधा भी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के पार्क में अब हाइड्रोपोनिक्स तकनीक पर फूल व पौधे लहलहाते दिखेंगे। यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें फसलों को बिना खेत में लगाए केवल पानी और पोषक तत्वों से उगाया जाता है। इसे जलीय कृषि भी कहते हैं। पौधे उगाने की यह तकनीक पर्यावरण के लिए काफी सही होती है। इन पौधों के लिए कम पानी की जरूरत होती है, जिससे पानी की बचत होती है। यह नजारा अशोक विहार फेज-टू के वैष्णवी पार्क में दिल्ली वालों को देखने को मिलेगा जिसे दिल्ली विकास प्राधिकरण विकसित करेगा। इसके साथ ही यहां मधुमक्खी पालन की जानकारी इस पार्क में दी जाएगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हरियाली और इको-फ्रैंडली खुले सार्वजनिक स्थानों को और बढ़ावा देने के मकसद से वैष्णवी डीडीए पार्क और नर्सरी की आधारशिला बृहस्पतिवार को रखी।

कचरे व अपशिष्ट से भरी इस बंजर भूमि को सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक सार्वजनिक पार्क और नर्सरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उपराज्यपाल के मार्गदर्शन में डिजाइन तैयार किया गया है।

अशोक विहार मे डीडीए पार्क और नर्सरी की नींव रखते उपराज्यपाल, साथ में भाजपा सांसद हर्षवर्धन। अमर उजाला

खंडित जगहों को एकीकृत किया गया

परियोजना लगभग 33 एकड़ के एक बड़े पार्क को विकसित करने के लिए अशोक विहार फेज-टू में सात खंडित हरित क्षेत्रों को समेकित कर मूर्त रूप दिया जा रहा है। सेंट्रल एरिया को एक सार्वजनिक पार्क के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें मुख्य स्थानों में पौराणिक वृक्ष प्रजातियों का सूक्ष्म परिचय दिया गया है और मूर्तियां और बहुउद्देशीय मैदान इसका मुख्य आकर्षण होगा। इस पार्क का नाम वैष्णवी दिया गया है। यह नाम तुलसी के पौधे को दिया गया है। यह पार्क एक एकीकृत केंद्र की तरह काम करेगा, जहां शहरवासियों और पर्यटकों को हाइड्रोपोनिक खेती की जानकारी दी जाएगी।